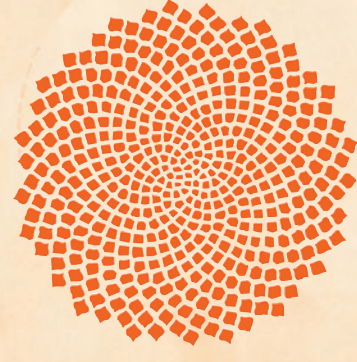




“संपूर्ण जीवसृष्टि की शाश्वतता” (सस्टेनिंग ऑल लाइफ) में लोग उत्पीड़न और अन्य चोटों से होनेवाले भावनात्मक नुकसान से खुद को मुक्त करने के लिए एक-दूसरे के साथ प्रभावी मदद का आदान-प्रदान करते हैं।

बारी-बारी से एक-दूसरे को सुनने और दर्दनाक भावनाओं को व्यक्त कर पाने हेतु प्रोत्साहित करने से लोग पुराने दुखों से छुटकारा पा सकते हैं और सोचने, बोलने और दूसरों को संगठित कर एक ऐसी दुनिया के निर्माण का नेतृत्व करने में सक्षम हो सकते हैं, जिसमें मनुष्य ही नहीं, समस्त जीवमात्र को महत्व दिया जाता है और पर्यावरण को पुनर्स्थापित कर उसे संरक्षित किया जाता है।